।। अर्हम् ।।

# आचार्यश्री महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति, श्रीडूँगरगढ़ (बीकानेर)

दूरभाष : 01565–224600,224900
ई–मेल : jstsdgh01565@gmail.com

## आचार्य महाप्रज्ञ का 80 वां दीक्षा दिवस
## आचार्य महाप्रज्ञ के पास साधना का विशिष्ट बल– युवाचार्य महाश्रमण

**श्रीडूँगरगढ़ 25 जनवरी :** तेरापंथ भवन के प्रज्ञा सभागार में उल्लास के साथ आचार्यश्री महाप्रज्ञ का 80वां दीक्षा दिवस युवा–दिवस के रुप में मनाया गया। इस अवसर पर युवाचार्य महाश्रमण ने कहा कि आचार्यश्री महाप्रज्ञ की दीक्षा 79 वर्ष पूर्व सरदारशहर में आचार्य कालू गणी के पास हुई। कालूगणी ने मुनि नथमल को मुनि तुलसी के पास नियोजन के लिये रखा। मुनि तुलसी जागरुक प्रशिक्षक थे। उनका निमार्ण किया और आज आचार्य महाप्रज्ञ विश्व के महान् व्यक्तित्व के रुप में प्रख्यात है। संत भगवान के प्रतिनिधि होते हैं। आचार्य महाप्रज्ञ महान् संत है। आचार्य महाप्रज्ञ तेरापंथ धर्मसंघ में सबसे बड़ी उम्र में बनने वाले युवाचार्य एवं आचार्य है तथा पहले मुनि है जिनका 80वां दीक्षा दिवस मनाया गया हो। आज भी आचार्य महाप्रज्ञ 90वर्ष की अवस्था में ऊर्जावान है, कार्य क्षमता से परिपूर्ण, चिंतन है। साधना का अपना बल हेाता है।

उन्होनें कहा श्री कृष्ण को वह भक्त प्रिय और इष्ट है जो शुचिता सम्पन्न, दक्ष व्यक्ति है, पक्षपात रहित है, चंचलता रहित है, आरंभ का त्यागी व हिंसा से मुक्त है, आकांक्षा से मुक्त है।

उत्तराध्ययन व गीता महान् ग्रंथ है जो महत्वपूर्ण दिशा दर्शन करती है। साधना आराधना व भावनात्मक विशुद्धि को उजागर करती है।

इस अवसर पर तेरापंथ महिला मंडल, भीकमचंद–सुशीला पुगलिया, मुनि राजकुमार, मुनि देवेन्द्र कुमार, मुनि प्रशांत कुमार, विजयसिंह बोथरा व अमित मालू ने भी आचार्य महाप्रज्ञ की अभ्यर्थना गीत व वक्वव्य के माध्यम से की। प्रारंभिक प्रवचन में मुनि दिनेशकुमार ने विनय को जिनशासन का मूल बताया तथा घृति विकास की प्रेरणा दी।

**सादर प्रकाशनार्थ :–**

**मीडिया संयोजक/सहसंयोजक**